रचनात्मक आकलन
कक्षा IX
उर्दू

रचनात्मक आकलन कक्षा शिक्षण के साथ–साथ चलने वाली प्रक्रिया है। यह सीखने के बाद नहीं, बल्कि सीखने के साथ ही किया जाता है। इसका उद्देश्य यह है कि विद्यार्थियों के सीखने के स्तर एवं पढ़ाई जाने वाली पाठ्यवस्तु की समझ का आकलन शिक्षण के दौरान ही किया जा सके, जिससे शिक्षक को अपनी शिक्षण तकनीक की प्रभावशीलता का फीडबैक प्राप्त हो सके तथा इसके आधार पर शिक्षक अपनी पाठ्य योजना में आवश्यक परिवर्तन कर सके। इस आकलन के आधार पर कमजोर विद्यार्थियों के लिए उपयुक्त उपचारात्मक शिक्षण की योजना बनाने में भी सहायता मिलती है। अतः इससे शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया को और बेहतर तथा कक्षा शिक्षण को रोचक बनाया जा सकता है।

रचनात्मक आकलन से विद्यार्थियों की शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में सहभागिता बढ़ती है, जिससे सीखना और अधिक आनन्ददायक हो जाता है।

व्यवहारिक दक्षताएँ– 1–बच्चे सबसे पहले सुनकर, फिर बोलकर, पढ़कर एवं लिखकर उर्दू भाषा में अमली महारत (व्यावहारिक दक्षता) प्राप्त कर सकते हैं। उर्दू भाषा से संबंधित इन चारों दक्षताओं का सहज प्रयोग करके छात्र–छात्राएं भाषागत दक्षता प्राप्त कर सकते हैं।

2– रचनात्मक दक्षताओं पर बल देते हुए उन्हें आस–पास होने वाली घटनाओं पर अपने विचारों को प्रस्तुत करने हेतु प्रोत्साहित किया जाना।

3– रेडियो, दूरदर्शन पर प्रसारित होने वाले समाचारों, वाद–विवाद एवं भाषणों को सुनकर उन पर अपनी स्पष्ट राय बनाना तथा कक्षा मे शिक्षण के दौरान उसे व्यक्त करना।

व्यावहारिक दक्षताओं के विकास के लिए गतिविधियों का चयन–

उर्दू विषय के शिक्षण में व्यावहारिक दक्षताओं के विकास के लिए निम्नलिखित गतिविधियों का चयन किया जा सकता है–

I. विद्यार्थियों से किसी विषय पर रिपोर्ट बनवाना जिससे उनका रचनात्मक क्षमता विकसित हो सके।

II. बच्चों को किसी विषय पर संदेश सुनाने का अवसर प्रदान किया जाए।

III. विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बोलने का अवसर प्रदान करना जैसे– बहस व मोबाहसा, बैतबाजी, खुशखती (सुलेख) नज्म रवानी, निबंध प्रतियोगिता, स्लोगन प्रतियोगिता एवं मुशायरा के द्वारा बच्चों को अपनी बात को निःसंकोच होकर प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करना।

IV. कक्षा में ऐसा अवसर प्रदान किया जाए जिससे वह आकस्मिक रूप से घटित होने वाली किसी घटना पर परस्पर अपनी राय स्वतंत्र रूप से प्रस्तुत कर सकें।

रचनात्मक आकलन हेतु पाठवार प्रयोग की जानेवाली तकनीक एवं प्राप्त दक्षताएं

क्रम सं0	पाठ विषय वस्तु	पाठवार गतिविधियाँ/ तकनीक का चयन	भाषायी दक्षता हेतु तकनीक
1 2 3 4 5 6 7	गद्य हिस्सा नस्र मीर अमन – ''सैर चौथै दरवेश की'' गालिब खतूत – i. मिर्जा अलाउद्दीन ii. खां अलाई के नाम iii. मीर मेहदीं के नाम iv. मुंशी हर गोपाल के नाम सर सैयद अहमद खान– ''बहस–ओ–तकरार'' मुहम्मद हुसैन आजाद (i) मिर्जा मज़हर जाने जानाँ (ii) सैयद मुहम्मद मीर सोज डिप्टी नजीर अहमद ''फहमीदा और बडी बेटी नईमा की लड़ाई'' अल्ताफ हुसैन हाली ''मिर्जा गालिब के हालात'' रतननाथ सरशार – i. मेहदीं का सराफा ii. रेल का सफर	• बुलन्द रव्वानी • पाठ पर आधारित लघु एवं अति लघु प्रश्न • उर्दू गद्य की विधा, दास्तान खतूत निगारी, उर्दू नाविल की इबतिदा व इरतेका पर मुख्तसर नोट लिखवाना • बहू विकल्पीय प्रश्न पूछना • वाद विवाद /समूह चर्चा • लघु मौखिक व लिखित परीक्षा • शब्द अर्थ	• पाठ एवं विषय से सम्बन्धित महत्वपूर्ण बिन्दुओं की संक्षिप्त रूप रेखा बनवाना • सम्बन्धित पात्रो का चरित्र चित्रण एवम उनपर अपने विचार रखना • पाठ का वाचन • इमला लिखवाना • फ्लोचार्ट बनवाना (i) अल्फाज मानी (ii) मुसन्निफ और उनकी तसानीफ पर
1 2 3	<u>पद्य / हिस्सा नज्म</u> गजल I. वली दकनी II. सौदा III. मीर तकी मीर IV. दर्द V. आतिश VI. जौक VII. गालिब VIII. मोमिन IX. दाग मसनबी–मीर हसन रुबाई मीर अनीस व हाली	• गजल व नज्म की बुलन्दख्वानी • अति लघु/लघु प्रश्न पूछना • क्वीज (शायरों की हालात जिन्दगी पर) • असनाफ नज्म पर मुख्तसिर नोट • अशआर की तशरीह • बहु विकल्पीय प्रश्न • मुशायरा और बैतवाजी	• गजलों व अशआर को सही तलफ्फुज व तरन्नुम में पढ़ना • अशहार का मतलब अपनी जुबान में लिखना • शायरों की तसनीफ का चार्ट बनाना • शायरों के हालात जिन्दगी व कारनामों पर नोट बनाना

1 2 3 4	व्याकरण (कवायद) इस्म, जमीर, सिफत, फेल वाहिद जमा मुताजाद अल्फाज इलमुल बयान	• क्वीज • बहु विकल्पीय प्रश्न • लेख लिखना • चार्ट बनाना • अनुवाद • मज़मून निगारी	• फ्लोचार्ट पर वाहिद जमा मुताजाद अल्फाज, लिखना • गैर दरसी इक्तेबास का खुलासा • इल्मुलबयान की समझ और उन्हें लिखकर बयान करना

उपरोक्त गतिविधियों को पहले से ही दिन एवं समय निर्धारित कर दिया जाए तथा निर्धारित समय पर पूर्व निर्धारित विषयों पर विद्यार्थियों से गतिविधियां संपन्न कराई जाए।

विद्यार्थियों की दक्षताओं के मापन के लिए मानक निर्धारण एवं उनका रिकॉर्ड रखना।

उपरोक्त गतिविधियों पर अंक या ग्रेडिंग (ABCD) प्रदान कर उनका रिकार्ड सुरक्षित रखा जा सकता हैं।

उदाहरण 1–

दिनांक–

गतिविधि – पाठ पढ़ना।

रिकार्ड रखा जाना– (प्रत्येक क्रिया विधि अलग–अलग दिवस में होगा।)

क्र.सं.	विद्यार्थी का नाम (सांकेतिक)	प्राप्तांक	अभियुक्ति
1	A	4	(पाठ पढ़ना धीमी गति) कमजोर
2	B	9	(सही उच्चारण, सही गति) उत्कृष्ट
3	C	7	(उच्चारण सही भाव के साथ) उत्तम
4	D	8	उत्कृष्ट
5	E	6	शब्दों के चयन में (अच्छा) वाक्यों को समझने में (कमजोर)

उदाहरण 2–

गतिविधि का नाम–प्रोजेक्ट कार्य

क्रम सं0	छात्र/समूह का नाम	मूल्यांकन					रिमार्क
		विषय चयन	प्रस्तुतीकरण	विशिष्टता	आयोजन	प्राप्तांक	
1	A	02	01	02	02	07	उत्तम
2	B	01	02	02	02	07	उत्तम
3	C	02	02	02	02	08	उत्कृष्ट
4	D	01	01	02	01	05	ठीक
5	E	02	02	01	01	06	अच्छाा
6	F	01	01	01	01	04	सन्तोष जनक

अच्छा प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया जाय। कमजोर विद्यार्थियों को व्यावहारिक सुझाव एवं दिशा निर्देश प्रदान करते हुए सुधार हेतु प्रोत्साहित किया जाय। प्रदर्शन में सुधार होने पर सराहना की जाय।